सहथकरघा क्षेत्र के लिए आरक्षित वस्तुएं

1923. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विशेषरूप से हथकरघा क्षेत्र के उत्पादन के लिए आरक्षित वस्तुओं की सूची में से बीस वस्तुएं निकाल दी हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उसके कारण क्या हैं;

(ग) क्या सरकार हथकरघा बुनकरों के हितों की रक्षा के लिए अपने निर्णय में पुनरीक्षण करने का विचार रखती है;

(घ) क्या सरकार को त्रिपुरा के बुनकरों के संघों द्वारा इस संबंध में कोई प्रतिवेदन प्राप्त हुए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है?

वस्त्र मंत्री (श्री आर० एल० जालप्पा): (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) भारत सरकार ने अपने 7 अगस्त, 1996 के आदेश द्वारा 11 वस्त्र मदों को केवल हथकरघों पर उत्पादन के लिए आरक्षित किया है।

(घ) जी नहीं।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

Modernisation of weaving and processing sectors

1924. SHRIMATI JAYANTI PATNAIK: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government have taken steps to modernise weaving and processing sectors;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether any new scheme is proposed to be implemented as a part of Government's programme to modernise weaving and processing sectors; and

(d) if so, the details thereof including the incentives granted and proposed to processing schemes?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI R.L. JALAPPA): (a) to (d) A proposal is under formulation to facilitate modernisation through technological upgradation, of the textile industry. The intendd objective is to improve production and productivity of the Indian textile industry to make it more competitive, including in the export market. Details of a Technology Upgradation Fund for textiles and jute industries ae being worked out in this regard.

Export quota of cotton

1925. SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) the details of quota for export of cotton sanctioned each time by Government during the years 1994-95, 1995-96, 1996-97;

(b) the details of quota allotted to different States each time during the period and actually exported by the States;

(c) whether it is a fact that the full sanctioned export quota of cotton has not been adhered to by various States during the period; and

(d) if so, the difficulties faced by various States in this regard?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI R.L. JALAPPA): (a) During the cotton season 1994-95, 195-96 and the current cotton season 1996-97 (as on date), cotton quota of 1.856 lakh bales, 15.90 lakh bales, and 12.20 lakh bales of cotton, respectively, were released by Government to various State Federations/Corporations & other agencies for export.

(b) The details of cotton export quota released and actually exported by various States Federations/Corporations are indicated in the statement attecheḍ. *(See* below)

(c) and (d) Some Federations/ Corporations have been unable to utilise the entire export quota for 1995-96 for variety of reasons including financial difficulties, insufficient procurement of cotton or not getting adequate buyers for their quality of cotton etc.

Statement

Agency-wise details of quantity of cotton released & exported during 1994-95, 1995-96 and for the current year as on date.

(in lakh bales of 170 kg. each)

	Agency Corporation	1994-95		1995-96		1996-97	
		Quota released	Actual export	Quota released	Actual export	Quota released	Actual export
1.	Maharashtra	0.250	0.003	4.20	4.166	1.00	0.285
2.	Gujarat Fed.	—	—	1.15	1.070	1.00	
3.	Punjab Fed.	—	—	0.15	0.138	0.25	
4.	Haryana Fed.	—	—	0.05	0.047	0.05	
5.	Rajasthan	—	—	0.10	—	0.15	
6.	A.P. Fed.	—	—	0.15	0.034	1.00	
7.	Tamil Nadu Fed.	—	—	—	—	—	
8.	Karnataka Fed.	—	—	0.25	0.006	0.25	
9.	M.P. Corp.	—	—	—	—	0.05	
10.	A.P. Girijan	—	—	0.25	—	—	
11.	M.P. Fed.	—	—	—	*0.089	0.10	
12.	Punjab Spin Fed.	—	—	—	—	0.25	
					*Spill over of 1994-95		
	TOTAL	0.250	0.003	6.10	5.550	4.10	0.285

कपड़ा, सिले-सिलाए परिधान, सूती धागे और कपास का निर्यात

1926. **श्री राम जेठमलानी:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले वर्षों से देश कपड़े, सिले-सिलाए परिधान, सूती धागे और कपास का निर्यात कर रहा है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1993-94, 1994-95 और 1995-96 के दौरान कुल उत्पादित कपड़े, सिले-सिलाए परिधान, सूती-धागे और कपास का कुल कितना प्रतिशत निर्यात किया गया;

(ग) क्या यह भी सच है कि कपास सूती धागे, कपड़े और सिले-सिलाए परिधानों के निर्यात से देश ने विदेशी मुद्रा का अर्जन किया है; और

(घ) यदि हां, तो उपरोक्त वर्षों में इन मदों के निर्यात से अर्जित विदेशी मुद्रा का वर्ष-वार और मद-वार ब्यौरा क्या है?

वस्त्र मंत्री (श्री आर० एल० जालप्पा): (क) जी हां।

(ख) सिले-सिलाए परिधानों से संबंधित उत्पादन आंकड़े उपलब्ध नहीं है। देश से निर्यातित कपड़ा सूती यार्न तथा कपास, जैसी सम्बन्धित वस्तुओं के कुल उत्पादन की प्रतिशतता के रूप में अभिव्यक्त; पिछले तीन वर्षों से प्रायः निम्नानुसार रही है;—

	1993-94	1994-95	1995-96
कपास	3.2	0.8	7.3
सूती यार्न	10.5	13.5	13.8
कपड़ा	6.3	7.5	6.9